14/03/2022

Amar Ujala

वेदों का ज्ञान आज तक सुरक्षित है : डॉ. वाजश्रवा

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथि संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

संस्कृत केंद्रीय विश्वविद्यालय में संपन्न हुई राज्यस्तरीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा

देवप्रयाग। वेद हमारे ज्ञान के प्राचीनतम आधार हैं। श्रुति परंपरा के कारण ही वेदों का ज्ञान आज तक सुरक्षित रह पाया और हम तक पहुंचा है इसलिए संस्कृत के क्षेत्र में ज्ञान को अग्रसारित करने में कंठस्थ करने की परंपरा महत्वपूर्ण रही है। यह बात उत्तराखंड के संस्कृत शिक्षा सहायक निदेशक डॉ. वाजश्रवा आर्य ने केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में राज्यस्तरीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धाओं के समापन पर कही।

बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि हमारे संस्कृत साहित्य में विज्ञान भी निहित है जबकि अन्य साहित्यों में केवल कथाएं और इतिहास ही है। आयुर्वेद को हम तक संस्कृत साहित्य ने ही पहुंचाया जो कोरोनाकाल में अनेक लोगों का प्राणरक्षक बना। संस्कृत यद्यपि कंप्यूटर की बेहतरीन भाषा है परंतु इस क्षेत्र में अपेक्षित कार्य होना बाकी है। उन्होंने कहा कि श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर उत्तराखंड में संस्कृत शिक्षा का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विशिष्ठ अतिथि वेद विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल ने कहा कि वैदिक ज्ञान के कारण ही भारत विश्वगुरु बना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक प्रो. विजयपाल शास्त्री ने अष्टाध्यायी और गीतापाठ स्पर्धा में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को परिसर की ओर से 11-11 सौ रुपये दिए भेंट किए। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनिल कुमार ने आख्या प्रस्तुत कर बताया कि 14 स्पर्धाओं में राज्यभर के 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया है। इस मौके पर आयोजित समस्यापूर्ति स्पर्धा में निशांत कुमार प्रथम, शुभागिनी आर्य द्वितीय व भानु प्रताप तृतीय स्थान पर रहे। अक्षरश्लोकी में ऋतेश ने पहला, निशांत ने दूसरा व समक्ष ने तीसरा स्थान हासिल किया। साहित्य श्लाका में राजाराम और शास्त्रीय स्फूर्ति में कृपाराम, जीवनचंद्र प्रथम स्थान पर रहे। निशांत, आकाश द्वितीय, धनंजय, अनिल तृतीय रहे। वेदभाष्यभाषणम में भानुप्रताप आर्य पहले और आयुष दूसरे और शुभम तृतीय रहे। ज्योतिष भाषण में मनीष भट्ट ने पहला, नितिन रतूड़ी ने दूसरा स्थान हासिल किया। साहित्य भाषण में धनंजय, व्याकरण में अनिल भट्ट, प्रथम तथा लोकेशचंद्र द्वितीय रहे। अष्टाध्यायी कंठपाठ में अंकिता पहले, सक्षम आर्य, मनोज कुमार द्वितीय तथा पीयूष तृतीय रहे। धातु कंठपाठ में दीक्षा प्रथम, आकाश द्वितीय और खुशी तृतीय रहीं। गीता कंठपाठ में प्रिया पहले, स्वाति दूसरे और यशस्वी कौशिक तीसरे स्थान पर रही। अमरकोष कंठपाठ में सिद्धि, काव्य कंठपाठ में ऋचा और शास्त्रार्थ में जीवनचंद्र ने बाजी मारी।

देवप्रयाग में उमड़ा आस्था का सैलाब

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत गंगा किनारे आयोजित किया कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, पौड़ी: आजादी के अमृत महोत्सव के तहत रविवार की सायं को देवप्रयाग में गंगा किनारे गंगा आरती का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान यहां वेद पाठ, भजन कीर्तन कार्यक्रम का भी आयोजित हुआ। जिसमें संस्कृत विद्यालय के छात्रों के अलावा काफी संख्या में व्यापारी व स्थानीय लोग भी शामिल हुए।

जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव के तहत गंगा घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें स्थानीय लोग भी मुहिम का हिस्सा बने। सभी से आगे भी समय-समय पर स्वच्छता की इस मुहिम का आगे बढ़ाने के लिए कार्य करने का आह्वान किया गया। गंगा किनारे आरती कार्यक्रम के बाद भजन कीर्तन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिलाधिकारी डा. विजय कुमार जोगदंडे सहित कई अन्य जनपदीय अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। धार्मिक आयोजन को लेकर यहां काफी उत्साह देखने को मिला। इस दौरान कोट ब्लाक की स्वयं सहायता समूहों नें स्टाल भी लगाए थे। इस मौके पर डीआरडीए के परियोजना निदेशक एसके राय, एसडीएम आकाश जोशी, प्रो. एम चंद्रशेखर, नगर कृष्णकांत कोठियाल, विक्रम सिंह लिंगवाल, धन्नंजय भट्ट आदि शामिल रहे।

देवप्रयाग में गंगा किनारे आरती करते जिलाधिकारी डा. विजय कुमार जोगदंडे ● पाठक

05-9-2022 - Hindustan. (Hindi)

तीर्थनगरी के धनेश्वर वार्ड में नगर पालिका व शिक्षण संस्थाओं ने निकाली रैली

गंगा की स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

देवप्रयाग, संवाददाता। नगर पालिका देवप्रयाग व विभिन्न शिक्षण संस्थाओं की ओर से आजादी के अमृत महोत्सव के तहत तीर्थनगरी देवप्रयाग में जन जागरुकता रैली निकाली गई। इस मौके पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर गंगा स्वच्छता की अपील लोगों से की।

रविवार को तीर्थनगरी के पौड़ी जिला स्थित क्षेत्र धनेश्वर वार्ड में गंगा स्वच्छता को लेकर नगरपालिका व शिक्षण संस्थानों ने जन जागरुकता रैली निकाली। डीएम पौडी विजय कुमार जोगदंडे के निर्देश पर हुए

रविवार को देवप्रयाग मे गंगा स्वच्छता के लिए रैली निकाली गई। • हिन्दुस्तान

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान राम की तपस्थली रामकुंड में राइंका की छात्राओं के स्वागत गीत से की। संस्कृत महाविध्यालय के छात्रो ने शिव संकल्प सूत्र का वाचन किया। सरस्वती विद्या व शिशु मंदिर के छात्र छात्राओ ने आकर्षक पर्वतीय लोक नृत्य गीत प्रस्तुत किये। केंद्रीय संस्कृत विवि रघुनाथ कीर्ति परिसर निदेशक प्रो. एम चंद्रशेखर ने आजादी के अमृत महोत्सव में देवप्रयाग वासियो से राष्ट्रीय नदी गंगा की स्वच्छता में प्रमुख भूमिका निभाने का आवाहन किया। नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण कान्त कोटियाल ने सभी को गंगा स्वच्छता की शपथ दिलायी। परियोजना प्रबंधक स्वजल डीएस रावत ने सभी से अमृत समान गंगा जल को बचाने का आग्रह किया। कार्यक्रम संचालन डॉ. दिनेश चंद्र पांडे ने किया। मौके पर ईओ रघुवर राय, संस्कृत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र नारायण कोटियाल, प्रधानाचार्य राइंका विक्रम लिंगवाल, आचार्य गोपाल भंडारी मौजूद रहे।

दिनांक - 12 Aug 2022
अमर उजाला (गढ़वाल)

छात्रों ने नगर में निकाली संस्कृत जागरूकता रैली

देवप्रयाग। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर और संस्कृत महाविद्यालय के छात्रों ने संस्कृत सप्ताह के तहत नगर में जागरूकता रैली निकाली।

बृहस्पतिवार को प्रो. एम चंद्रशेखर के मार्गदर्शन में श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर से जागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र कोटियाल ने कहा कि देवप्रयाग संस्कृत के विद्वानों की भूमि रही है।

वेद विभागाध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल ने कहा कि देवप्रयाग संस्कृत के क्षेत्र में एक दिन विशेष पहचान बनाएगा। इस अवसर पर डॉ. सच्चिदानंद स्नेही, डॉ. अरविंद सिंह गौर, डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. दिनेशचंद्र पांडेय, डॉ. अवधेश, डॉ. रघु बी राज, जनार्दन सुबेदी, डॉ. मनीषा आर्या, डॉ. मौनिका बोल्ला, डॉ. सुशील कुमार बडोनी, अमित बंदोलिया व प्रीति कोटियाल तिवारी आदि मौजूद थे। संवाद

AMAR UJALA (Hindi)

10 AUG 2022

स्वस्ति वाचन के साथ संस्कृत सप्ताह शुरू

देवप्रयाग। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में स्वस्ति वाचन के साथ संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ किया गया जिसमें संस्कृत के प्रचार-प्रसार और संरक्षण पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक राजकुमार पोरी ने किया। वेधशाला संचालक आचार्य भास्कर जोशी ने संस्कृत शास्त्रों के संरक्षण एवं संस्कृत भाषा के द्वारा मानवीय मूल्यों को बढ़ाने पर जोर दिया।

परिसर निदेशक प्रो. एम चंद्रशेखर ने कहा कि संस्कृत के प्रचार प्रसार से उसके उच्च आदर्शों को समाज में स्थापित कर भारत पुनः विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित होगा। संचालन डा. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल व संयोजन डा. सच्चिदानंद स्नेही ने किया। इस मौके पर पूर्व निदेशक प्रो. विजय शास्त्री, डा. शैलेंद्र कोटियाल, नवीन डोबरियाल व तकनीकी सहायक स्वप्निल पांडे मौजूद थे। संवाद

हिन्दुस्तान (10/08/2022

रघुनाथ कीर्ति परिसर में संस्कृत सप्ताह शुरु

देवप्रयाग, संवाददाता। केंद्रीय संस्कृत विवि श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में संस्कृत सप्ताह की स्वस्ति वाचन से शुरुआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी तथा नक्षत्र वेधशाला संचालक आचार्य भाष्कर जोशी ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

परिसर निदेशक प्रो. एम चंद्रशेखर ने अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि संस्कृत तथा संस्कृति रक्षण के लिए छात्रों को आगे आना होगा। देवप्रयाग परिसर संपूर्ण देश में ज्ञान की गंगा प्रवाहित करेगा इसका उन्हें विश्वास है।

आचार्य भाष्कर जोशी ने संस्कृत शास्त्रों के रक्षण एवं संस्कृत भाषा के द्वारा मानवीय मूल्यों को बढ़ाने पर राजा भोज के काल में संस्कृत की समृद्ध स्थिति से छात्रों को अवगत करवाया। कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा संस्कृत, निबंध, वेद एवं पुराणों में सुरक्षित है। परिसर निदेशक प्रो. एम चन्द्रशेखर ने कहा कि संस्कृत के प्रचार प्रसार से उसके उच्च आदर्शों को समाज में स्थापित कर भारत पुन विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित होगा। कार्यक्रम संचालन वेद विभाग अध्यक्ष डॉ शैलेंद्र प्रसाद उनियाल एवं संयोजन डॉ सच्चिदानंद स्नेही द्वारा किया गया। संस्कृत सप्ताह के तहत विभिन्न प्रतियोगितएं परिसर में आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में पूर्व निदेशक प्रो. विजय शास्त्री, डॉ शैलेंद्र कोटियाल, नवीन डोबरियाल, स्वप्निल पांडे परिसर, छात्र छात्राएं सहित कई लोगों मौजूद थे।

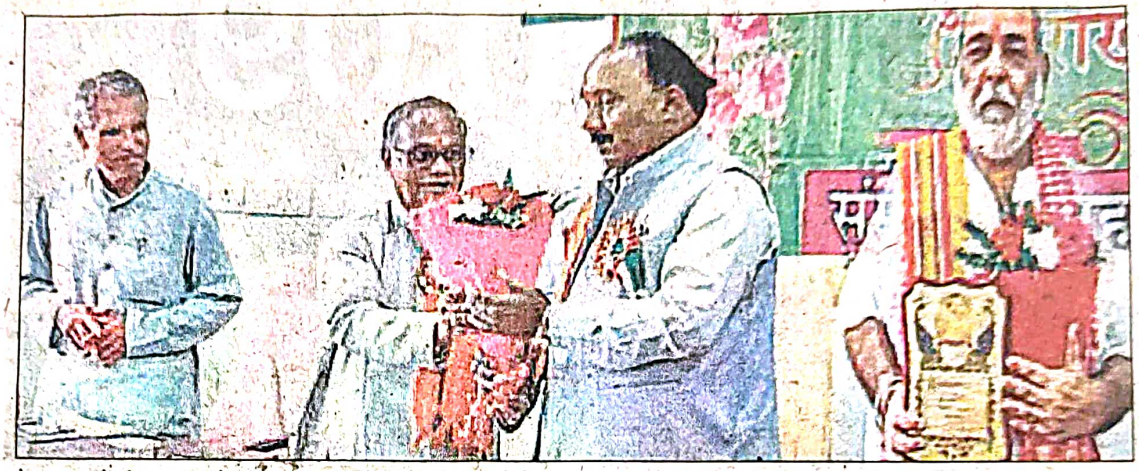

देवप्रयाग में मंगलवार को संस्कृत सप्ताह के शुभारंभ पर पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी को स्मृति चिह्न देते आयोजक। • हिन्दुस्तान

'राम के मार्ग पर चलकर देश बन सकता है सिरमौर'

देवप्रयाग, संवाददाता। देवप्रयाग स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री राम कीर्ति परिसर में भारतीय संस्कृति और युवा विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिये सभी से योगदान की अपील की।

गुरूवार को आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी, युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह और परिसर के निदेशक डा. एम चन्द्रशेखर ने संयुक्त रूप से किया। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी ने कहा की चार लाख 32 हज़ार वर्ष पूर्व प्रभु राम ने जो आदर्श स्थापित किये वह आज भी हमारे साथ हैं। प्रभु राम के दिखाए मार्ग पर चलकर ही भारत को दुनिया का सिरमौर बनाया जा सकता है। युवा चेतना के राष्ट्रीय संयोजक रोहित कुमार सिंह ने कहा की भारतीय संस्कृति और सभ्यता ने दुनिया को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया है। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक डा. एम. चंद्रशेखर ने कहा की संतों और युवाओं के हाथ में भारतीय संस्कृति की रक्षा की ज़िम्मेदारी है। इस अवसर पर डा. श्रीओम शर्मा, जनार्दन सुबेदी, डा. अरविंद सिंह गौड़, आदित्य चौबे थे।

देवप्रयाग में संस्कृत विवि के श्री राम कीर्ति परिसर में गुरुवार को कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि। • हिन्दुस्तान

Hindustan (Hindi) 11/11/2022